nwda.gov.in

हिमाचल में हाहाकार, मौत बनकर आई बारिश, खौफ में जी रहे लोग

हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में भारी बारिश और बादल फटने से हालात बिगड़ चुके हैं। नदियों में इतना पानी भर गया कि बांधों के गेट खोलने पड़े। चमेरा और पंडोह डैम के गेट खोलने से रावी और ब्यास नदियां और ज्यादा उफान पर हैं। सतलुज भी तबाही मचाने लगी है। कई हाइवे और छोटी-बड़ी सड़कें बंद हो चुकी हैं। बाढ़ जैसे हालातों से कुछ इलाकों में लोग घरों में बंद हो चुके हैं। लोगों की जान आफत में है। अभी चार दिन और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में लोगों में खौफ है। सुनील डोगरा की रिपोर्ट...

आम जिंदगी पर बुरा असर

सोशल मीडिया पर तस्वीरों से तबाही का अंदाजा तो हो रहा है, लेकिन आम लोगों के लिए हालात कहीं ज्यादा खराब हैं। किन्नौर के हितेश पुजारी ने बताया कि बाबा वैली में अचानक इतना सैलाब आया कि घरों को तोड़ते हुए पानी बहने लगा। कुरपो नाले में उफान से पूरी रोड गाड़ियों समेत बह गई। मंडी और कुल्लू के कई इलाकों में जरूरी सामान की सप्लाई नहीं हो पा रही है। हर तरफ लैंडस्लाइड हो रहे हैं। बिलासपुर और कांगड़ा से लेकर किन्नौर तक में सप्लाई ठप का असर पड़ा है। पंडोह में रहने वाले नंदलाल ने बताया कि बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुंचाना बड़ी चुनौती बन रही है। मंडी में पंडोह और शिमला में कई घरों को खाली कराना पड़ा है।

NBT बिग पिक्चर

टूरिस्ट प्लेस के हाल

हिमाचल में जिन इलाकों में टूरिस्ट ज्यादा जाते हैं, उन पॉइंट्स पर हालात सामान्य हैं। मनाली, धर्मशाला और शिमला सिटी में टूरिस्ट हब के बरसात के सीजन में जो हालात होते हैं, अभी वैसे ही हैं। हालांकि, इन इलाकों तक पहुंचना आसान नहीं है। हिमाचल जाने वाले सभी ट्रेन रूट अभी बंद हैं। दिल्ली से ऊना जाने वाली ट्रेनें भी स्थगित कर दी गई हैं। पिछले साल चक्की पुल ढहने के बाद से कांगड़ा ट्रेन वैली पूरी तरह से चालू हो ही नहीं पाई है। कालका से शिमला जाने वाली टॉय ट्रेन को भी रोकना पड़ा है। सड़क के रास्ते कुल्लू-मनाली या लाहौल घाटी तक जाना नामुमकिन लग रहा है। शिमला तक के रास्ते को बार-बार साफ करवाने की जरूरत पड़ रही है। पठानकोट के रास्ते पालमपुर जाने वाला हाइवे जरूर खुला है पर चक्की नदी का रोड ब्रिज बंद कर दिया गया है।

हिमाचल जाने वाले सभी ट्रेन रूट बंद

भारी बारिश से हिमाचल सड़क परिवहन निगम के **876 बस** रूटों पर असर पड़ा है।

403 बसें अलग-अलग जगहों पर फंस गई हैं।

69% ज्यादा बारिश हुई है। हिमाचल प्रदेश में 1 जुलाई से 9 जुलाई तक सामान्य 160.6 मिलीमीटर की तुलना में 271.5 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो 69 प्रतिशत ज्यादा है।

> "हिमाचल प्रदेश ने पिछले 50 साल में ऐसी भारी बारिश नहीं देखी थी। इसकी वजह से राज्य को करीब 3000 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है। -सुखविंदर सुक्खू, मुख्यमंत्री

PTI

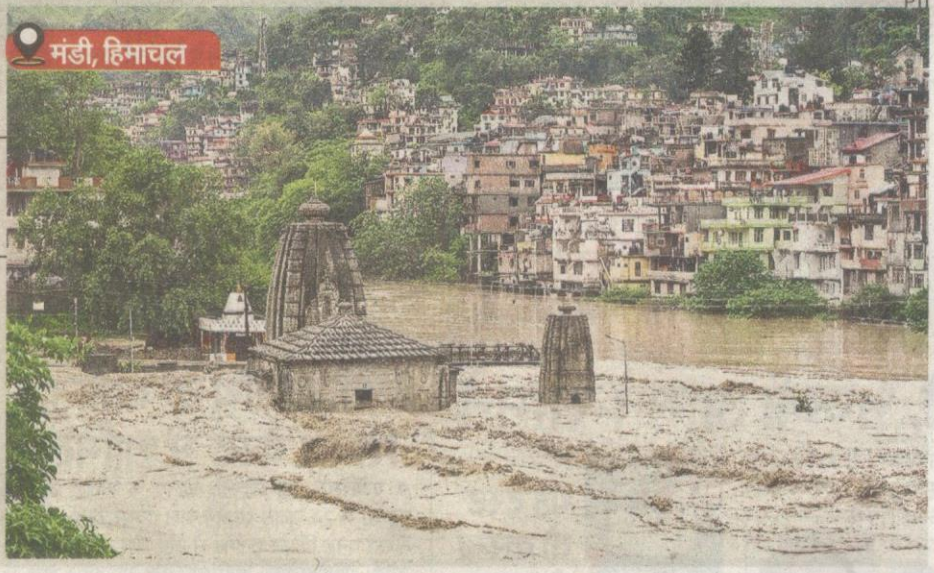

लैंडस्लाइड जैसी घटनाओं से अब तक 18 की मौत

पीटीआई, शिमला/रामपुरः हिमाचल प्रदेश में सोमवार को तीसरे दिन भी बारिश का कहर जारी है, जहां भूस्खलन में चार और लोगों की मौत हो गई। कालका-शिमला राजमार्ग बाधित हो गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में बारिश के कारण हुई घटनाओं में दो दिन में 18 लोग मारे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सुबह एक विडियो संदेश जारी कर लोगों से अपील की कि वे भारी बारिश में, खासकर नदियों और नालों के पास जाने से बचें। अगले 24 घंटे सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए तीन नंबर जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटन स्थल मनाली में फंसे 20 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन अलग-अलग हिस्सों में लगभग 300 लोग फंसे हैं।

मनाली में फंसे 20 लोगों को बचाया गया

PTI

मंडी में बारिश के बाद कॉलोनियों में मलबा जमा हो गया।